



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

ब० २५८]
No. 258]

मई दिवसी, शुक्रवार, जून २७, १९८६/आषाढ़ ६, १९०८

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 27, 1986/ASADHA 6, 1908

इस भाग में अन्य सूच्छ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation.

उद्योग मन्त्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, २७ जून १९८६

श्रादेश

का आ ३८५ (अ)/१८-ए/श्राई. डी. आर. ए/८६—भारत
सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश स.
का. आ. १७०(अ)/१८-ए.ए/श्राई. 'डी. आर. ए/७९, तारीख
३० मार्च, १९७९ द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रादेश कहा गया
है) ऐसी महादेव टेक्सटाइल मिल्स, हुबली, कर्नाटक नामक समस्त
औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,
१९५१ (१९५१ का ६५) की धारा १८-कक्ष के अधीन उक्त श्रादेश के
राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली पात्र वर्ष की अवधि
के लिए ग्रहण कर लिया गया था और कर्नाटक राज्य सरकार की उक्त
औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया
था;

और भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)
के श्रादेश स. का. आ. २०८(अ)/१८-ए.ए./श्राई. डी. आर. ए/८४,

तारीख २७ मार्च १९८४ द्वारा उक्त श्रादेश की अवधि २९ मितम्बर,
१९८४ तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बड़ा दी गई
थी,

और, भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)
के श्रादेश स. का. आ. ७४०(अ)/१८-ए/श्राई. डी. आर. ए/८४,
तारीख २६ सितम्बर, १९८४ द्वारा उक्त श्रादेश की अवधि २९ मार्च,
१९८५ तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बड़ा दी गई
थी,

और, भारत सरकार के उद्योग और कपनी कार्य मन्त्रालय (औद्योगिक
विकास विभाग) के श्रादेश स. का. आ. २३७(अ)/१८-ए/श्राई. डी.
आर. ए/८५, तारीख २५ सितम्बर, १९८५ द्वारा उक्त श्रादेश की
अवधि २९ मार्च, १९८६ तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित
है, बड़ा दी गई थी;

और, भारत सरकार के उद्योग और कपनी कार्य मन्त्रालय (औद्योगिक
विकास विभाग) के श्रादेश स. का. आ. ६९०(अ)/१८-ए/श्राई. डी.
आर. ए/८५, तारीख २५ सितम्बर, १९८५ द्वारा उक्त श्रादेश की
अवधि २९ मार्च, १९८६ तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित
है, बड़ा दी गई थी;

और, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 116(अ)/18-ए.ए /आई डी. आर. ए./86, तारीख 27 मार्च, 1986 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 29 जून, 1986 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी,

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को, 29 सितम्बर, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन मास की अवधि के लिए बढ़ा दिया जाए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त जनितयों का प्रयोग करते हुए, नियन्त्रित है कि उक्त आदेश 29 सितम्बर, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तान मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का. प. 3(2)/79-सी. यू. एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 27th June, 1986

ORDERS

S.O. 385(E)/18AA/IDRA/86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 170(E)/18AA/IDRA/79, dated the 30th March 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mahadeva Textile Mills, Hubli, Karnataka, was taken over under Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the date of its publication of the said Order in the Official Gazette, and the State Government of Karnataka, was authorised to take over the management of the said Industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 208 (E)/18AA/IDRA/84, dated the 27th March, 1984, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 29th September, 1984;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 740(E)/18AA/IDRA/84, dated the 26th September, 1984, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 29th March, 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 237(E)/18AA/IDRA/85, dated the 26th March, 1985, the period of said Order was extended upto and inclusive of the 29th September, 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 690(E)/18AA/IDRA/85, dated the 25th September, 1985, the period of said Order was further extended upto and inclusive of 29th March, 1986;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 116(E)/18AA/IDRA/86, dated the 27th March, 1986, the period of said Order was further extended upto and inclusive of the 29th June, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986;

[F. No. 3(2)/79-CUS]

का. पा 356 (अ) 18-चब/आई. डी. प्रार. ए/86.—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का 192(अ)/18-चब/आई. डी. प्रार. ए/79, तारीख 31 मार्च, 1979 द्वारा (जिसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), उक्ते (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त जनितयों का प्रयोग करते हुए, वर्ष वांषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से प्रीक पूर्ण प्रृथक् ऐसी यस्ती संविदाओं, सम्पत्ति के इस्तातरण पदा, करारा, परिस्थिरण, पचाटी, स्थायी आदेशों या अन्य निवारों को (उन्हें भिन्न जा बैठें) विनियम यस्ताओं के प्रतिश्वेत दायित्वा में सम्बद्ध हैं), जिनका दैर्घ्य महादेव ईक्यग्रहन मिलम, दुर्लभी, कलाईक नामक औद्योगिक उपकरण एक प्रकार है या जो उक्त औद्योगिक उपकरण को लाए हैं, प्रवर्तन ऐसी तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा, और उक्त तारीख से पहले उम्मेद अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 232(अ)/18-चब/आई. डी. प्रार. ए/80, तारीख 31 मार्च, 1980, का. आ. 215 (3)/18-चब/आई. डी. प्रार. ए/81, तारीख 25 मार्च, 1981, का. आ. 209(अ), 18-चब/आई. डी. प्रार. ए/82 तारीख 30 मार्च, 1982, का. आ. 258(अ) 18-चब/आई. डी. प्रार. ए/83—, तारीख 30 मार्च, 1983, का. आ. 209(अ)/18-चब/आई. डी. प्रार. ए/84—, तारीख 27 मार्च, 1984, का. आ. स. 741(अ)/18-चब/आई. डी. प्रार. ए/84—तारीख 26 मितम्बर, 1984, उद्योग और कपनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के का. आ. स. 238(अ)/18-चब/आई. डी. प्रार. ए/85, तारीख 26 मार्च, 1985, का. आ. स. 691(अ)/18-चब/आई. डी. प्रार. ए/85 तारीख 25 मितम्बर, 1985 और का. आ. 117(अ)/18-चब/आई. डी. प्रार. ए/86, तारीख 29 मार्च, 1986 द्वारा उक्त आदेश की अवधि, तारीख 29 जून, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश 29 सितम्बर, 1986 तक की तीन मास की और अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उच्चोग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-बख की उपधारा (2) के साथ बहित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि को 29 सितम्बर, 1986 तक तीन मास की ओर अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा. स. 3(2)/79-सी यू एस]

ए. वी. गोकाक, संयुक्त सचिव

S.O. 386(E)|18FB|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 192 (E) 18FB|IDRA|79, dated the 31st March, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers, conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Mahadeva Textiles Mills, Hubli, Karnataka, is party or which may be applicable to the said Industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year from such date and that all obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 232(E)|18FB|IDRA|80, dated the 31st March, 1980, S.O. 215(E)|18FB|IDRA|81, dated the 25th March, 1981, S.O. 209(E)|18FB|IDRA|82, dated the 30th March, 1982, S.O. 258(E)|18FB|IDRA|83, dated the 30th March, 1983, S.O. 209(E)|18FB|IDRA|84, dated the 27th March, 1984, S.O. 741(E)|18FB|IDRA|84, dated the 26th September, 1984, and the Orders of the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 238(E)|18FB|IDRA|85, dated the 26th March, 1985, S.O. 691(E)|18FB|IDRA|85, dated the 25th September, 1985 and S.O. 117(E)|18FB|IDRA|86, dated the 27th March, 1986, the duration of the said Order was further extended upto and inclusive of the 29th June, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2), of Section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986.

{File No. 3(2)|79-CUS}
A. V. GOKAK, Jt. Secy.

